प्रदूषण मुक्त औद्योगिक इकाइयों को पुरस्कार

1612. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**

श्री राम जेठमलानी:

क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने प्रदूषण मुक्त औद्योगिक इकाइयों को प्रतिवर्ष पुरस्कार देने का निर्णय लिया है ; और

(ख) यदि हां, तो इस योजना के क्रियान्वयन के लिये कौन सी नीति अपनाई गई हैं ?

पर्यावरण और वन मंत्री (श्री नीलमणि राउतराय) : (क) और (ख) प्रदूषण के निवारण और उसमें कमी लाने के लिये उत्कृष्ट कार्य की सार्वजनिक मान्यता प्रदान करने के लिये पुरस्कार दिये जायेंगे । इसके लिये हर वर्ष 15 तक पुरस्कार दिये जायेंग । इसमें से, 10 पुरस्कार (प्रत्येक क्षेत्र के लिये दो-दो) बड़ और मझौले उद्योगों अथवा कार्यों के लिये दिये जायेंगे तथा 5 पुरस्कार (प्रत्येक क्षेत्र के एक-एक) लघु उद्योगों अथवा कार्यों के लिये दिये जायेंगे । बड़े अथवा मझौले उद्योगों को दिये जाने वाले 10 पुरस्कारों में से तीन पुरस्कार प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय रखे जायेंगे । लघु उद्योगों अथवा कार्यों के लिये चुने गये दो पुरस्कार भी प्रथम और द्वितीय होंगे । पुरस्कार उपयुक्त नामांकन उपलब्ध होने पर ही दिये जायेंगे ।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत व्यावसायिक पाठ्यक्रम

1613. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत शुरू किये गये व्यावसायिक पाठयक्रमों के नाम क्या हैं ;

(ख) ऐसे पाठ्यक्रमों को पढ़ाने के लिये विशेषकर दिल्ली में सरकार द्वारा क्या व्यवस्था की गई है ; और

(ग) ऐसे विद्यार्थियों की कुल संख्या कितनी है जो अब तक इन पाठ्यक्रमों से लाभांवित हो चुके हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिम.. भाई मेहता) : (क) देश में उपलब्ध व्यावसायिक पाठ-यक्रमों में निम्नलिखित प्रमुख विषयों में वर्गबद्ध किये जाते हैं:–

–कृषि

–व्यवसाय एवं वाणिज्य

–इंजीनियरी एवं प्रौद्योगिकी

–स्वास्थ्य एवं पैरा चिकित्सा सेवायें

–गृह विज्ञान

–सेवायें एवं अन्य

(ख) स्कूलों में व्यवसायिक पाठ्यक्रमों के शिक्षण के प्रबंध संबंधित राज्य सरकारों /संघ शासित प्रदेशों के प्रशासनों द्वारा किये जाते हैं । दिल्ली में निधियों का आवंटन कच्चा माल पुस्तकालय के लिये पुस्तकों, उपकरणों की खरीद के लिये व्यावसायिक पाठयक्रम की पेशकश करने वाले स्कूलों और इन पाठयक्रमों के शिक्षण के लिये स्कूलो में नियुक्ति अंशकालिक विशेषज्ञों/शिक्षको को पारिश्रमिक का भुगतान करने के लिये किया जाता है । इस समय विभिन्न व्यावसायिक पाठयक्रमों का शिक्षण अंशकालिक विशेषज्ञों/शिक्षकों द्वारा किया जाता है ।

(ग) माध्यमिक शिक्षा की व्यवसायी-करण करने की केन्द्रीय प्रायोजित योजना, जो फ़रवरी, 1988 से कार्यान्वित की जा रही है के अन्तर्गत सातवीं योजना के अन्त तक छात्रों के 1.95 लाख वार्षिक दाखिले के लिये सुविधायें मंजूर की गई हैं ।